7. इतिहास और खेल : क्रिकेट की कहानी

प्रश्न - औधोगिक क्रांति का क्रिकेट पर क्या प्रभाव पडा ?
उत्तर - इसने क्रिकेट का समय निश्चित करने में बडी भूमिका निभाई क्योकि अब लोगों को घण्टों , दिहाडी , या हफ्ते के हिसाब से पैसे मिलने लगे ।
प्रश्न - भारत की पहली क्रिकेट क्लब कौन सी थी और वह कब स्थापित हुई ?
उत्तर - भारत की पहली क्रिकेट क्लब कलकता क्लब थी जिसकी स्थापना 1792 ई 0 को हुई ।
प्रश्न - टेस्ट क्रिकट कई मायनो में एक अनुठा खेल है। इस बारे चार्चा कीजिए कि यह किन किन अर्था में बाकी खेलो से भिन्न है।
उत्तर - टेस्ट क्रिकेट का अनुठापन तथा अन्य खेलो से इसकी भिन्नता- टेस्ट क्रिकेट एक अनुठा खेल है जिसकी अन्य खेलो से अनेक भिन्नताएँ है यह एक ऐसा अनुठा खेल है जो पांच दिन तक लगातार चले और फिर भी कोइ परिणाम न निकले। फुटबाल और हाकी जैसे अन्य अपसी खेलों कुछ घण्टे ही चलते ही और उनका कोइ न कोइ नतीजा अवश्य निकल जाता है | इस खेल में खिलाडियो को अपना अनुभव और हुनर दिखाने का पूरा मौका मिलता है। अन्य खेलो के मुकाबले खेल लंबा चलने से रोमांच बढ जाता है, और इस खेल में कितने उतार - चढाव देखने को मिलते है जिससे दर्शको का उत्सुकता बढ जाता है।

प्रश्न : 19 वीं शताब्दी में क्रिकेट के खेल में कौन-से बदलाव हुए ?

उत्तर : 19 वीं शताब्दी में भी क्रिकेट के खेल में अनेक बदलाव हुए जो निम्नलिखित है |

(i) वाइड बॉल का नियम लागु हुआ |

(ii) चोट से बचाव के लिए पैड और दस्ताने जैसे सुरक्षा उपकरणों का उपयोग होना शुरू हो गया |

(iii) गेंद का सटीक ब्यास निश्चित हुआ |

(iv) ओवर आर्म बौलिंग को क़ानूनी जामा पहनाया गया और उसे उचित मान लिया गया |

(v) बाउंड्री अर्थात चौके और छक्के की शुरुआत हुई |

प्रश्न : भारत और वेस्ट इंडीज में ही क्रिकेट क्यों इतना लोकप्रिय हुआ ? यह खेल दक्षिणी अमेरिका में इतना लोकप्रिय क्यों नहीं हुआ ?

उत्तर : क्रिकेट अन्तराष्ट्रीय खेल नहीं बल्कि औपनिवेशिक खेल है | यह खेल उन्ही देशों तक सिमित होकर रह गया जहाँ ब्रिटिश साम्राज्य के अंग थे | जिसमें भारत और वेस्ट इंडीज भी शामिल है | वेस्ट इंडीज में बसने वाले गोरे लोग यह खेल अपने साथ ले गए जबकि भारत में यह खेल यहाँ के अमीरों और उंच वर्ग ने अपनाया क्योंकि भारत में यह खेल सामाजिक श्रेष्ठता का प्रतिक बना रहा और भारतीय इसमें पीछे नहीं रहना चाहते थे |

दक्षिणी अमेरिकी देश कभी भी अंग्रेजी हुकूमत के संपर्क में नहीं आ पाए ये देश फ़्रांस और हॉलैंड आदि देशों के आधीन रहे जहाँ क्रिकेट फलफूल नहीं पाया | क्रिकेट पूर्णत: अंग्रेजी खेल था | वर्त्तमान में इन देशों की कोई

भी क्रिकेट टीम विश्वस्तर की नहीं है | एक अन्य कारण और भी है कि क्रिकेट का खेल बहुत लंबा चलता है जिसे हर कोई पसंद भी नहीं करता इन देशों के लोग कम समय में पूरा होने वाला खेल जैसे हॉकी और फुटबॉल अधिक पसंद करते है |

प्रश्न : शौकिया खिलाडियों और पेशेवर खिलाडियों में क्या अन्तर था ?

उत्तर :

(i) शौकिया खिलाडी मजे के लिए क्रिकेट खेलते थे, जबकि पेशेवर खिलाडी अपनी रोजी-रोटी के लिए खेलते थे |

(ii) शौक़ीन खिलाडी प्राय: बल्लेबाज होते थे जबकि पेशेवर खिलाडी गेंदबाज होते थे |

(iii) शौकिया खिलाडियों को जेंटलमैन की उपाधि दी जाती थी जबकि पेशेवरों को केवल खिलाडी कहा जाता था |